18वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023

प्रलिम्सि के लिये:

[भारत वन स्थिति रिपोर्ट](), [भारतीय वनविज्ञानी](), [कार्बन स्टॉक](), [पश्चिमी घाट ज्वालामुखी-संवेदनशील क्षेत्र](), [मैंग्रोव](), [राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान](), [कार्बन डाईऑक्साइड](), [क्षरित भूमि](), [बॉन चैलेंज](), [वैश्विक वन स्रोत आकलन](), [FAO](), [वन वर्गीकरण](), [राष्ट्रीय कृषि आयोग](), [UNDP](), [व्यक्तिगत स्वास्थ्य](), [जैवविविधता](), [पेरिस समझौता]।

मेन्स के लिये:

भारत में वन एवं वृक्ष आवरण की स्थिति।

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** ने भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 शृंखला की 18वीं रिपोर्ट **(ISFR 2023)** जारी की।

- **ISFR को भारतीय वन विज्ञानी (F-असोसिएटर)** द्वारा वर्ष 1987 में द्विवार्षिक आधार पर प्रकाशित किया गया था।

ISFR 2023 के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

- **वन एवं वृक्ष क्षेत्रफल:** देश का कुल वन वृक्ष क्षेत्रफल **8,27,356.95 वर्ग किमी है,** जो देश का भौगोलिक क्षेत्र (GA) का **25.17% है।**
- कुल **वन** क्षेत्रफल **7,15,342.61 वर्ग किलोमीटर (21.76%) है**, जबकि **वृक्ष** क्षेत्रफल **1,12,014.34 वर्ग किलोमीटर (3.41%) है।**

वर्ग	क्षेत्रफल (किमी.^{2})	भौगोलिक क्षेत्र (GA) का प्रतिशत
वन आवर्द्धन	7,15,342.61	21.76%
वृक्षारोपण	1,12,014.34	3.41%
कुल वन एवं वृक्ष क्षेत्रफल	**8,27,356.95**	**25.17%**
स्क्रब	43,622.64	1.33%
गैर वन क्षेत्र	24,16,489.29	73.50%
देश का भौगोलिक क्षेत्र	**32,87,468.88**	**100.00%**

- **वन एवं वृक्षावरण में वृद्धि:** देश के वन एवं वृक्षावरण में **1,445.81 वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है,** जिसमें वर्ष 2021 की तुलना में वनावरण में **156.41 वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है।**
  - **अधिकतम वृद्धि (वन एवं वृक्षावरण): छत्तीसगढ़ (684 वर्ग किमी.)** उसके बाद उत्तर प्रदेश (559 वर्ग किमी.), ओडिशा (559 वर्ग किमी.) तथा राजस्थान (394 वर्ग किमी.)।
  - **अधिकतम वृद्धि (वनावरण): मिज़ोरम (242 वर्ग किमी.)** उसके बाद गुजरात (180 वर्ग किमी.) और ओडिशा (152 वर्ग किमी.)।
  - **सबसे ज़्यादा कमी: मध्यप्रदेश (612.41 वर्ग किमी.)** उसके बाद कर्नाटक (459.36 वर्ग किमी.), लद्दाख (159.26 वर्ग किमी.) और नगालैंड (125.22 वर्ग किमी.)।
- क्षेत्रफल के हिसाब से सबसे अधिक वन क्षेत्र वाले शीर्ष तीन राज्य मध्यप्रदेश (77,073 वर्ग किमी.) हैं, **जिसके बाद** अरुणाचल **प्रदेश** (65,882 वर्ग किमी.) और **छत्तीसगढ़** (55,812 वर्ग किमी.) हैं।
  - कुल भौगोलिक क्षेत्र के संबंध में वनावरण के **प्रतिशत** की दृष्टि से, **लक्षद्वीप** (91.33%) में सबसे अधिक वनावरण है, जिसके बाद **मिज़ोरम** (85.34%) और **अंडमान एवं निकोबार द्वीप** (81.62%) का स्थान है।
- **उच्च वनावरण: 19 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों** में **33% से अधिक** भौगोलिक क्षेत्र वनावरण के अंतर्गत है।
  - इनमें से **आठ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों** अर्थात् **मिज़ोरम, लक्षद्वीप**, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में वन क्षेत्र **75% से अधिक है।**

- **कार्बन स्टॉक:** देश का वन [कार्बन स्टॉक](#) **7,285.5 मिलियन टन** अनुमानित है, जो वर्ष 2021 की तुलना में **81.5 मिलियन टन अधिक** है।
    - **शीर्ष 3: अरुणाचल प्रदेश** (1,021 मीट्रिक टन) उसके बाद मध्य प्रदेश (608 मीट्रिक टन), छत्तीसगढ़ (505 मीट्रिक टन) और महाराष्ट्र (465 मीट्रिक टन)।
    - भारत का कार्बन स्टॉक **30.43 बिलियन टन CO_2 समतुल्य** तक पहुँच गया है, जो **वर्ष 2005 के आधार वर्ष से 2.29 बिलियन टन अधिक** है तथा **वर्ष 2030 के 2.5-3.0 बिलियन टन के लक्ष्य के करीब** है।
- **क्षेत्रीय प्रदर्शन:** [पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (WGESA)](#) **60,285.61 वर्ग किमी** में फैला हुआ है, जिसमें से 44,043.99 वर्ग किमी. (73%) क्षेत्र वन क्षेत्र के अंतर्गत है।
    - **पूर्वोत्तर क्षेत्र** में कुल वन एवं वृक्षावरण **1,74,394.70 वर्ग किमी.** है, जो इन राज्यों के भौगोलिक क्षेत्र का **67%** है।
- **मैंग्रोव आवरण:** भारत का [मैंग्रोव](#) आवरण **4,991.68 वर्ग किमी.** है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का **0.15%** है, जिसमें 2021 से **7.43 वर्ग किमी. की कमी** आई है।
    - **गुजरात** में मैंग्रोव आवरण में **36.39 वर्ग किमी.** की **कमी** देखी गई, जबकि **आंध्र प्रदेश** और **महाराष्ट्र में क्रमशः 13.01 वर्ग किमी. और 12.39 वर्ग किमी.** की वृद्धि देखी गई।

[//](#)

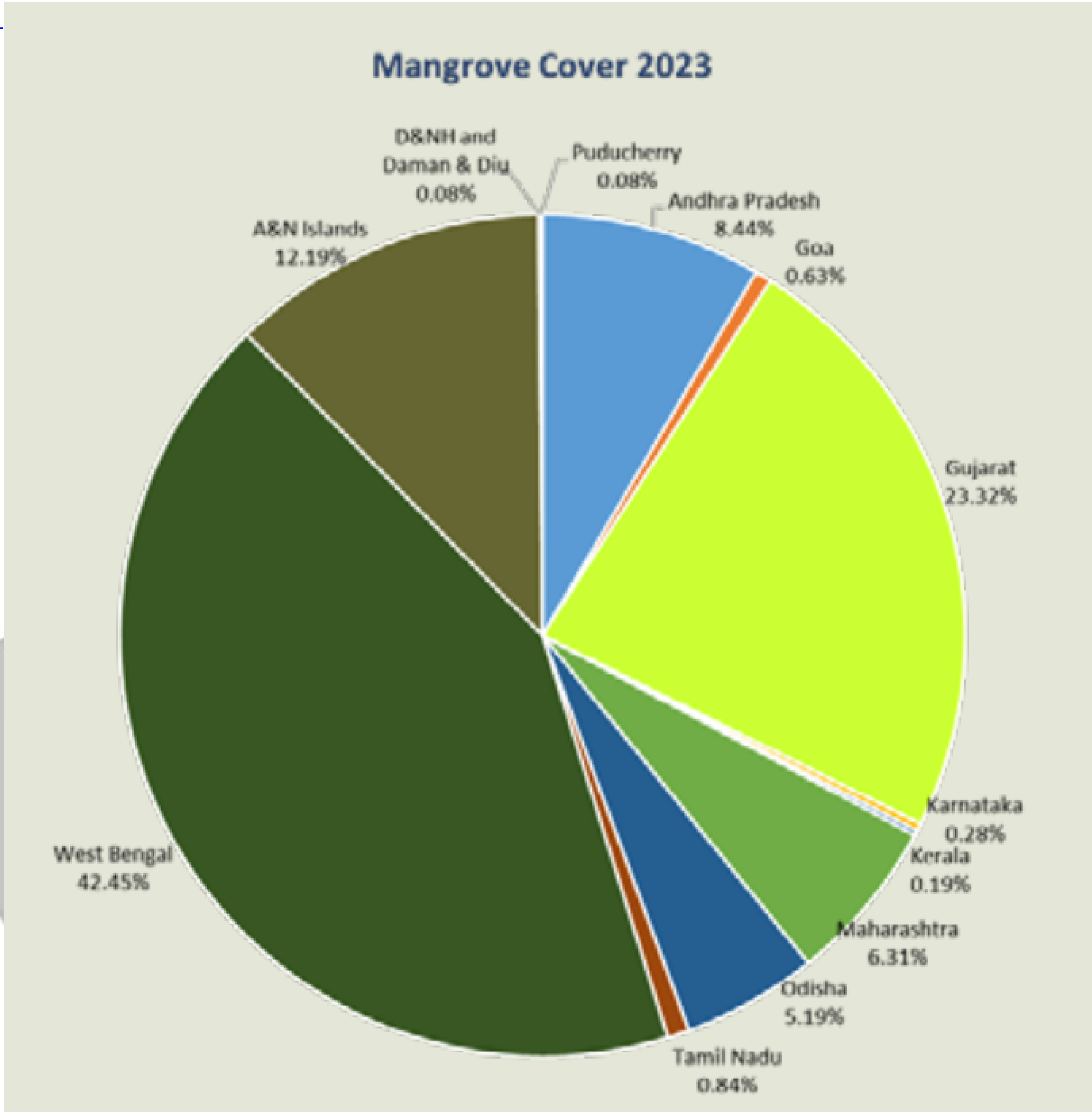

- **वनाग्नि:** वर्ष 2023-24 सीज़न में सबसे अधिक आग की घटनाओं वाले शीर्ष तीन राज्य **उत्तराखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़** हैं।

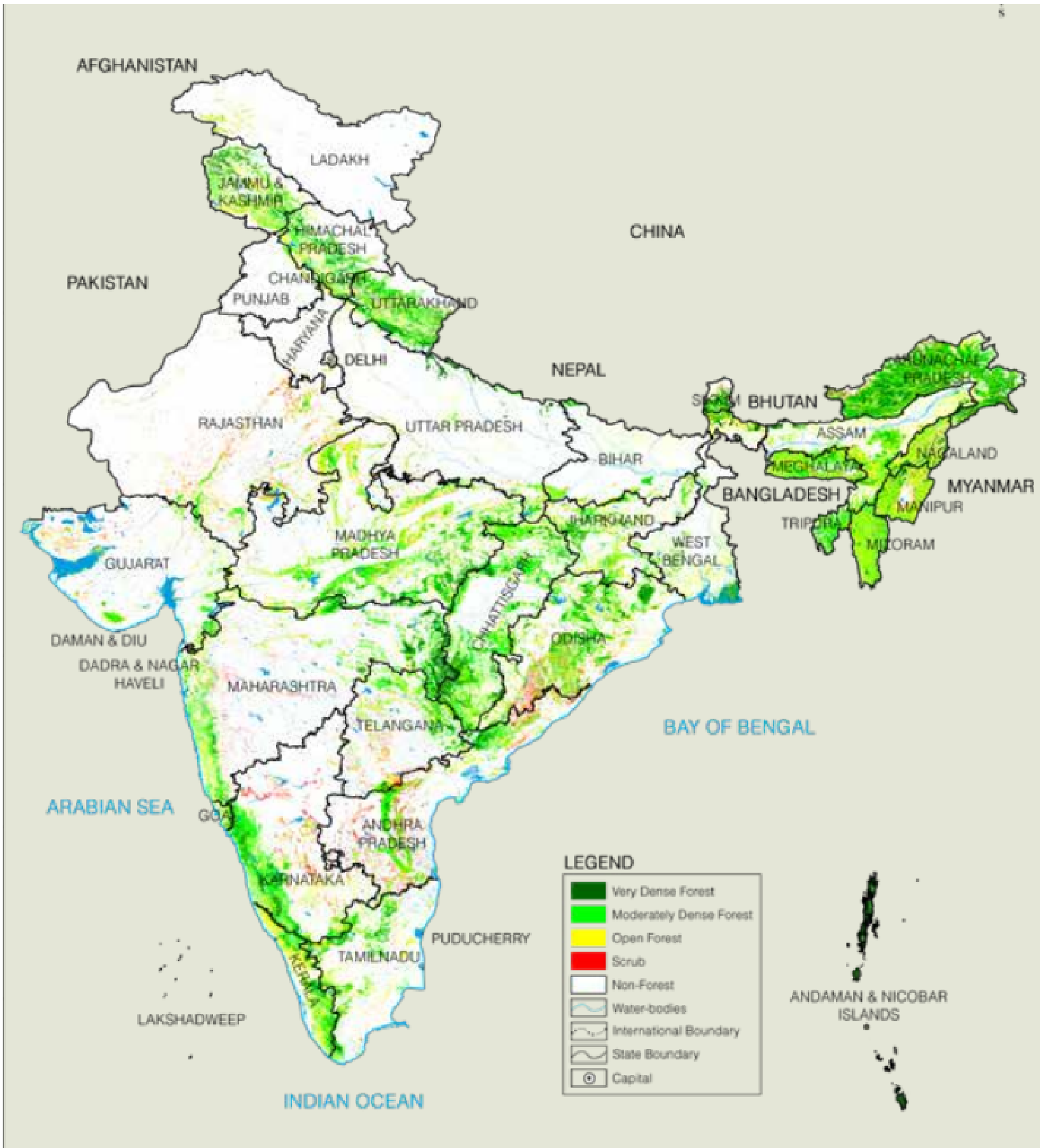

नोट

- **पेरसि समझौता:** पेरसि जलवायु परविर्तन समझौते में की गई **राष्ट्रीय सत्र पर नरि्धारति योगदान (NDC)** प्रतबिद्धताओं में, **भारत** ने **वर्ष 2030 तक** अतरिक्ति वनावरण और वृक्षावरण के माध्यम से **2.5 से 3 बलियिन टन CO 2 समतुल्य अतरिक्ति कार्बन सिंक** बनाने का संकल्प लयिा है।
- **बॉन चैलेंज: भारत ने बॉन चैलेंज** के भाग के रूप में **वर्ष 2030 तक 26 मलियिन हेक्टेयर बंजर भूमि** को पुनर्स्थापन के अंतर्गत लाने का भी संकल्प लयिा है।
- **आजीवकिा:** भारत के वन **वैश्वकि मानव आबादी** के लगभग **17%** और **वशि्व के कुल पशुधन के 18% की आजीवकिा का समर्थन** करते हैं।
- **वैश्वकि स्थति: FAO** द्वारा प्रकाशति **वैश्वकि वन संसाधन आकलन (GFRA, 2020)** के अनुसार, भारत **वन क्षेत्र** के मामले में **वशि्व के शीर्ष 10 देशों** में शामलि है और **वर्ष 2010-2020 के बीच वन क्षेत्र में उच्चतम वार्षकि शुद्ध वृद्धि के लयि तीसरे स्थान** पर है।

भारतीय वन सर्वेक्षण

- **स्थापना:** इसकी स्थापना **1 जून, 1981** को हुई, जो **वर्ष 1965** में शुरू कयि गए **वन संसाधनों के पूर्व नविेश सर्वेक्षण (PISFR)** का स्थान लेता है।

- वर्ष 1976 में [राष्ट्रीय कृषि आयोग] **(NCA)** ने **राष्ट्रीय वन सर्वेक्षण संगठन** की स्थापना की सफिारिश की, जसिके परणािमस्वरूप **FSI** का नरि्माण हुआ ।
- **PISFR** की शुरुआत **वर्ष 1965** में भारत सरकार द्वारा **FAO और UNDP** के प्रायोजन से की गई थी।

- **मूल संगठन: पर्यावरण और वन मंत्रालय**, भारत सरकार।
- **प्राथमकि उद्देश्य:** भारत के **वन संसाधनों का नयिमति रूप से आकलन और नगिरानी करना।**
  - इसके अलावा, यह **प्रशकि्षण, अनुसंधान और वसि्तार** की सेवाएँ भी प्रदान करता है।
- **कार्यप्रणाली: FSI का मुख्यालय देहरादून** में है तथा **शमिला, कोलकाता, नागपुर और बंगलूरू** में चार क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ इसकी उपस्थिति संपूर्ण भारत में है।
  - पूर्वी क्षेत्र का एक उपकेंद्र **बर्नीहाट (मेघालय)** में है।

वर्ष 2013 से 2023 के बीच वानकिी मापदंडों की क्या स्थति रिही?

- **वन क्षेत्र में वृद्धि:** देश के वन क्षेत्र में **16,630.25 वर्ग कमिी. की** वृद्धि **हुई है।**
  - वृक्षावरण **में 20,747.34 वर्ग कमिी. की** वृद्धि हुई।
  - देश के [मैंग्रोव] **आच्छादन में 296.33 वर्ग कमिी. की वृद्धि हुई।**
- **मृदा स्वास्थ्य:** [मृदा स्वास्थ्य] में सामान्य सुधार हुआ है (**वर्ष 2013 में 83.53%** की तुलना में उथली से गहन मृदा में **87.16%**), जो ह्यूमस में सुधार से परलिक्षति होता है।
  - [मृदा कार्बनकि कार्बन] 55.85 टन प्रतिहेक्टेयर से बढ़कर **56.08 टन प्रतिहेक्टेयर हो गया है।**
    - मृदा कार्बनकि कार्बन का तात्पर्य **मृदा कार्बनकि पदार्थ में नहिति कार्बन** है जो **मृदा एकत्रीकरण में योगदान देता है, जसिसे मृदा संरचना एवं स्थरिता बढ़ती है।**
- **जैवकि प्रभाव: वनों पर जीवीय प्रभाव भी वर्ष 2013 के 31.28% से** घटकर 26.66% रह गया है, जो **प्राणीजात** [जैवविविधिता] और **वनस्पतजिात जैवववििधिता के लयि बेहतर परविेश सदि्ध होगा।**
  - जीवीय प्रभाव का आशय सजीवों पर पड़ने वाले प्रभाव से है। वनों में, जीवीय प्रभावों में **चारण, ब्राउज़गि, मानव जनति अग्नि, पोलार्डगि, अवैध कर्तन और पातन शामलि हो सकते हैं।**

नष्किर्ष

18वीं भारत वन स्थति रिपिोर्ट 2023 में वन और वृक्षावरण, कार्बन स्टॉक तथा मृदा स्वास्थ्य में सकारात्मक रुझानों पर प्रकाश डाला गया है और साथ ही वनाग्नि एवं मैंग्रोव की क्षति **जैसी चुनौतियों का समाधान कयिा गया है।** [पेरसि समझौते] और **बॉन चैलेंज** जैसे वैश्वकि जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतबिद्धता इसके वर्तमान के संरक्षण प्रयासों के अनुरूप है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. 18वीं भारत वन स्थति रिपिोर्ट 2023 (ISFR 2023) के प्रमुख नष्किर्षों का वशि्लेषण कीजयि और भारत की पर्यावरणीय संधारणीयता तथा जलवायु परवर्तिन लक्ष्यों पर इसके प्रभावों का आकलन कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नम्नलखिति राज्यों पर वचिार कीजयि: (2019)

1. छत्तीसगढ़
2. मध्य प्रदेश
3. महाराष्ट्र
4. ओडशिा

उपर्युक्त राज्यों के संदर्भ में राज्य के कुल क्षेत्रफल की तुलना में वन आच्छादन की प्रतशितता के आधार पर नम्नलखिति में से कौन-सा सही आरोही अनुक्रम है?

(a) 2, 3, 1, 4
(b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 2, 4, 1

(d) 3, 2, 1, 4

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत का एक वशिष राज्य नम्निलखिति वशिषताओं से युक्त है: (2012)

1. यह उसी अक्षांश पर स्थति है जो उत्तरी राजस्थान से होकर जाता है।
2. इसका 80% से अधकि क्षेत्र वनाच्छादति है।
3. 12% से अधकि वन क्षेत्र इस राज्य के संरक्षति क्षेत्र नेटवर्क के रूप में है।

नम्निलखिति राज्यों में से कौन-सा एक उपर्युक्त दी गई वशिषताओं से युक्त है?

(a) अरुणाचल प्रदेश
(b) असम
(c) हमािचल प्रदेश
(d) उत्तराखंड

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. भारत के वन संसाधनों की स्थति एिवं जलवायु परविर्तन पर उसके परणािमी प्रभावों की जाँच कीजयि। (2020)

प्रश्न. मैंग्रोवों के रक्तिीकरण के कारणों पर चर्चा कीजयि और तटीय पारस्थितिकिी का अनुरक्षण करने में इनके महत्त्व को स्पष्ट कीजयि। (2019)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/18th-india-state-of-forest-report-2023